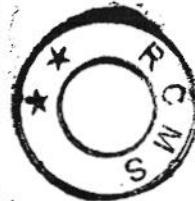


(30)



प्र/ अगरानी / अशोकनगर / अ०८०/२०१७/१६४२

न्यायालय श्रीमान् सदस्य महोदय राजस्व मंडल  
ग्रालियर म०प्र०

प्र. क्र. / 2017 निगरानी

श्री किशन पुत्र मंगल सिंह, जाति गुर्जर, आयु 68 वर्ष,  
व्यवसाय कृषि, निवासी ग्राम पुरा (मथाना) परगना  
मुंगावली जिला अशोकनगर म०प्र०। .....निगरानीकर्ता  
बनाम

म०प्र० शासन द्वारा राजस्व निरीक्षक/पटवारी ग्राम मथाना  
.....प्रतिनिगरानीकर्ता

*प्रधान भ्रीवार्मल छाती*  
द्वारा आज दि. ६/६/१७ को  
प्रस्तुत

*वलक ऑफ़ फोर्ड ६/६/१७*  
*अन्तर्गत राजस्व निरीक्षक महोदय मुंगावली द्वारा प्रकरण क्र.*  
*16अ०१२/१६-१७ में पारित आदेश दिनांक 25.05.2017 के विरुद्ध//*

माननीय महोदय,

सेवा में निगरानीकर्ता की ओर से निगरानी पत्र निम्न प्रकार प्रस्तुत है कि –

संक्षिप्त विवरण :-

यह कि ग्राम मथाना (पुरा) तहसील मुंगावली जिला अशोकनगर म०प्र० स्थित भूमि सर्वे क्र. 149, 150, रकवा क्रमशः 1.150 हे., 0.679 हे. निगरानीकर्ता के स्वत्व स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि है यह दोनों सर्वे नं. एकदूसरे से लगे होकर मौके पर ईकजाइ प्लाट के रूप में है जिनके चारों ओर मैंडे हमेशा से बनी हुई है इसी अनुसार उक्त भूमि पर आवेदक काबिज होकर खेती करता कृषि लाभ लेता चला आ रहा है तथा दोनों सर्वे नं. खसरा के मान से नक्शा में यथावत् हमेशा से बने हुये है निगरानीकर्ता द्वारा उसकी भूमि सर्वे नं. 149 रकवा 1.150 हे. एवं सर्वे नं. 150 रकवा 0.679 हे. का पटवारी ग्राम/राजस्व निरीक्षक सीमांकन कराया किन्तु अनावेदकगण द्वारा अन्य लोगों के प्रभाव में आवेदकगण की भूमि का सीमांकन ना करते हुये अन्य भूमि का सीमांकन किया है और आवेदक की भूमि अन्य लोगों की भूमि में निकाल दी है जो कि सीमांकन मुस्तकिल मुकामों से विधिवत् नहीं किया गया है व उक्त सीमांकन का अंतिम आदेश दिनांक 25.05.2017 को पारित किया है उक्त सीमांकन आदेश के विरुद्ध यह निगरानी निम्न आधारों पर प्रस्तुत है –

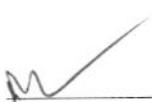
(1) यह कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा कराया गया सीमांकन विधिविधान के विपरीत होने से निरस्ती योग्य है।

(2) यह कि प्रतिनिगरानीकर्तागण द्वारा निगरानीकर्ता की भूमि का गलत सीमांकन करने का कोई अधिकार नहीं था क्योंकि निगरानीकर्ता उक्त दोनों सर्वे नंम्बरों पर खसरा के रकवा के मान से मौके पर काबिज है और इसी अनुसार नक्शा में सीमाएं बनी हुई है और जितना रकवा खसरा का है उतना ही नक्शा में बना हुआ ॥

.....2.....

न्यायालय, राजस्व मण्डल, म० प्र०, ग्वालियर  
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ  
भाग—आ

प्रकरण क्रमांक दो/निगरानी/अ० नगर/भूरा/2017/1642

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकर्ते एवं अभिभाषकोंआदि के हस्ताक्षर
१५ -०१-१९	<p>आवेदक अधिवक्ता श्री प्रदीप श्रीवास्तव उपस्थित। आवेदक के अधिवक्ता द्वारा यह प्रकरण इस न्यायालय में राजस्व निरीक्षक मुंगावली जिला अशोक नगर के प्रकरण क्रमांक 16/अ-१२/२०१६-१७ में पारित आदेश दिनांक 25.5.17 के विरुद्ध म० प्र० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अन्तर्गत निगरानी प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2- आवेदक के अधिवक्ता के तर्कों पर विचार करने एवं म० प्र० भू-राजस्व संहिता में दिनांक 25.9.2018 के हुये संशेधन अनुसार राजस्व निरीक्षक मुंगावली जिला अशोकनगर द्वारा पारित अंतिरिम आदेश दिनांक 25.5.17 के विरुद्ध सीधे राजस्व मण्डल में निगरानी सुनवाई योग्य नहीं रही है। अपितु संशेधन की संहिता की धारा 54 (क) सहपठित धारा 50 (1) (ग) के अनुसार अनुविभागीय अधिकारी मुंगावली जिला अशोक नगर के समक्ष सुनवाई योग्य है। तदनुसार प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी मुंगावली जिला अशोक नगर की ओर निराकरण हेतु हस्तांतरित किया जाता है।</p> <p>पक्षकार दिनांक 9.3.19 को अनुविभागीय अधिकारी मुंगावली जिला अशोक नगर के समक्ष उपस्थित रहे।</p> <p style="text-align: right;">सदस्य </p> <p><u>अनुविभागीय अधिकारी मुंगावली</u></p> <p></p>	